# الْخُرُوفُ وَالذِّئْبُ

١ ـ أُكَوِّنُ مِنْ الْحُرُوفِ كَلِمَةً ، وَأَكْتُبُهَا مَضْبُوطَةً بالشَّكلِ ، ثُمَّ أَقْرَؤُها :

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| كَ ا نَ | يَ سِ ي رُ | لَ كِ نَّ | الْ غَ نَ مُ | الْ مَ رْ عَ ى |
| ..... | ..... | ..... | ..... | ..... |
| الْ كَ بْ شُ | أُ دَ ا فَ عَ | اِ بْ تَ عَ دَ | فَ رِ حَ | نَ فْ سِ ي |
| ..... | ..... | ..... | ..... | ..... |
| الْ قَ طِ ي عِ | خَ لْ فَ | شُ كْ رًا | الْ خَ رُ و فُ | شَ جَ رَ ةٍ |
| ..... | ..... | ..... | ..... | ..... |

٢ ـ أُحَلِّلُ الْكَلِمَاتِ الآتِيَةَ إِلَى مَقَاطِعَ وَأَصْوَاتٍ :

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| خَرُوفًا | ..... | ..... | ..... | يَسِيرُ | ..... | ..... | ..... |
| شَجَرَةٌ | ..... | ..... | ..... | ..... | ..... | ..... | ..... |
| الْغَنَمُ | ..... | ..... | ..... | ..... | ..... | ..... | ..... |

٣ ـ أُدْخِلُ ( ال ) عَلَى الْكَلِمَاتِ الآتِيَةِ ، وَأَقْرَؤُها ، ثُمَّ أَضَعُ عَلامَةَ ( ✓ ) فِي الْمَكَانِ الْمُنَاسِبِ :

| الْكَلِمَة | الْكَلِمَة مع ( ال ) | نَوْعُ ( ال ) في الْكَلِمَة | | الْكَلِمَة | الْكَلِمَة مع ( ال ) | نَوْعُ ( ال ) في الْكَلِمَة | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | شَمْسِيَّة | قَمَرِيَّة | | | شَمْسِيَّة | قَمَرِيَّة |
| ذِئْبُ | ..... | ..... | ..... | شَجَرَةُ | ..... | ..... | ..... |
| كَبْشُ | ..... | ..... | ..... | مَرْعَى | ..... | ..... | ..... |
| غَنَمُ | ..... | ..... | ..... | قَطِيعُ | ..... | ..... | ..... |



ناصر المزيني
@nasseralmuzaini